हाथ जोड़ विनति करू (श्री खाटू श्याम वंदना) | By Liyaqat Ali |

हाथ जोड़ विनति करू सुनियो चित्त लगाये,
दास आ गयो शरण मे राखियो इसकी लाज,

धन्य ढूंढारो देश है खाटू नगर सुजान,
अनुपम छवि श्री श्याम की दर्शन से कल्याण,

हाथ जोड़ विनति करू सुनियो चित्त लगाये,
दास आ गयो शरण मे राखियो इसकी लाज,

श्याम श्याम नित मै रटू श्याम ही जीवन प्राण,
श्याम भक्त जग मे बड़े उनको करू प्रणाम,

हाथ जोड़ विनति करू सुनियो चित्त लगाये,
दास आ गयो शरण मे राखियो इसकी लाज,

खाटू नगर के बीच मे बनयो आपको धाम,
फागुन शुक्ला मेला भरे जय जय बाबा श्याम,

हाथ जोड़ विनति करू सुनियो चित्त लगाये,
दास आ गयो शरण मे राखियो इसकी लाज,

फागुन शुक्ला द्वादशी उत्सव भारी होय,
बाबा के दरबार से खाली जाएं ना कोई,

हाथ जोड़ विनति करू सुनियो चित्त लगाये,
दास आ गयो शरण मे राखियो इसकी लाज,

उमापति, लक्ष्मीपति सीतापति श्रीराम,
लज्जा सबकी राखियो खाटू के श्रीश्याम,

हाथ जोड़ विनति करू सुनियो चित्त लगाये,
दास आ गयो शरण मे राखियो इसकी लाज,

पान सुपारी इलायची अतर सुगंध भरपूर,
सबभगतन की विनति दर्शन देओ हुजुर,

हाथ जोड़ विनति करू सुनियो चित्त लगाये,
दास आ गयो शरण मे राखियो इसकी लाज,

आलूसिह जी तो प्रेम से धरे श्याम का ध्यान,
श्याम भक्त पावे सदा श्याम कृपा से मान,

हाथ जोड़ विनति करू सुनियो चित्त लगाये,
दास आ गयो शरण मे राखियो इसकी लाज,

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%9c%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a4%a4%e0%a4%bf-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%82-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-

%e0%a4%96%e0%a4%be/